सभी को आत्मीय आमंत्रण

● रमणीय प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण अपरांत कोंकण भूमी में एक दैवी अनुभूती ●

अत्यग्निष्टोम महा-सोमयाग यज्ञ

● 5 ते 10 फेब्रुवारी 2024 ● यज्ञस्थली : पुरुषोत्तम मंदिर तेंडोली, कुडाळ, सिंधुदुर्ग

● विश्व कल्याण ● दैवी उर्जा की अनुभूती ● ऋतु-चक्र का संतुलन ● पंच महाभूतोंका संतुलन
● पर्यावरण और वायुमंडल की शुद्धी ● व्यक्तिगत आरोग्यप्राप्ती, आभा (ऑरा), पंचकोष शुद्धी

|| श्री स्वामी समर्थ ||

|| श्री गजानन महाराज ||

|| श्री भगवान परशुराम ||

यजमान : सोमयाजी सुहोता दीपक दीक्षित आपटे

* हर रोज सुबह ९ ते सायं. ७ वा. * दोपहर महाप्रसाद भंडारा * सशु:ल्क निवास व्यवस्था *
* कीर्तन, दशावतार आदी. सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम. ७ बजे के बाद *

महासोमयाग सनीहर बनें... **महासोमयाग कल्याणार्थी बनें...**

ऑनलाईन पंजीकरण करें : www.mahasomyag.org
संपर्क : 8421951262

भारतीय सोच

भीष्म फाउंडेशन फॉर भारतीय नॉलेज सिस्टिम्स

भीष्म स्कूल ■ भीष्म यज्ञ ■ विश्व मंदिर परिषद

सस्नेह निमंत्रण

भीष्म फाउंडेशन फॉर भारतीय नॉलेज सिस्टम वैदिक और भारतीय ज्ञान परंपराओंकी प्रत्यक्ष जीवन में उपयुक्तता प्रस्तुत करने के लिए विविध प्रकार के उपक्रम आयोजित कर रही है। उसी में एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण अत्यग्निष्टोम महासोमयाग का आयोजन किया गया है। यज्ञ संकल्पना, यज्ञ संस्था और सोमयाग के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया **www.mahasomyag.org** इस पर भेट कीजिए।

भारतीय संस्कृति, वैदिक संस्कृति, हिंदू संस्कृति यह मूलतः यज्ञ संस्कृति है। सर्वे भवंतु सुखिनः, विश्व कल्याण, वसुधैव कुटुंबकम् यह मूल भारतीय जीवन विचार और जीवनपद्धति है। इस सोमयागमें वेदोंके मंत्रोंका जो उच्चारण होता है, उससे एक विलक्षण अद्भुत दैवी ऊर्जा की अनुभूति यज्ञ के दौरान मिलेगी। विश्व कल्याण और विश्व शांति इस यज्ञ का मुख्य उद्देश है। ऋतुचक्र का संतुलन, पंचमहाभूतों का संतुलन, वातावरण की शुद्धी, पर्यावरण की शुद्धी, ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति, वैश्विक ऊर्जा संतुलन के लिए यह यज्ञ आयोजित किया गया है। इसके साथ हर एक व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य प्राप्ति, समाधान, संतोष प्राप्ति, व्यक्तिगत वायु मंडल अर्थात आभा (ऑरा) पंचकोष शुद्धीकरण, पारिवारिक सुख - समृद्धि के लिए यह यज्ञ अत्यंत लाभदायक है। **इस सोमयाग में ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद इन चार वेदों के मंत्रों का पठण किया जाएगा।** हविर्द्रव्य की आहुति से मंत्रजागर और अरोमा थेरेपी से (गंध थेरेपी) सहभागी व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक रोगों को सुधारने में बहुत मदद करती है।

आप सनीहर (यज्ञ के अधिकृत प्रतिनिधी) बनकर, कल्याणार्थी (यज्ञ हितचिंतक) बनकर, अन्नदान सेवा, ब्रह्म दक्षिणा सेवा, हविर्द्रव्य आहुती सेवा, यज्ञ साहित्य सेवा, गोसेवा, गोदान आदी प्रकार से तन, मन, धन से यज्ञ सेवा किजिए ऐसी बिनती है। यज्ञ संस्कृति को पुनरुज्जीवित करने का यह एक प्रयास है। यह एक ईश्वरी कार्य है। आज सारा विश्व अलग-अलग समस्याओं से जूझ रहा है। इस समय सनातन भारतीय हिंदू संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा ही विश्व का संरक्षण और संवर्धन कर सकती है ऐसा हमें विश्वास है।

यज्ञ स्थल के पास स:शुल्क आवास व्यवस्था उपलब्ध है। भोजन महाप्रसाद भंडारा यज्ञ के अवसर पर आयोजित किया गया है। आप सभी इस महासोमयाग में प्रत्यक्ष सहभागी हो ऐसी विनम्र प्रार्थना है।

प्रा. क्षितिज पाटुकले - अध्यक्ष - भीष्म फाउंडेशन फॉर भारतीय नॉलेज सिस्टम, पुणे

मार्गदर्शक और सल्लागार समिती

आशीर्वाद

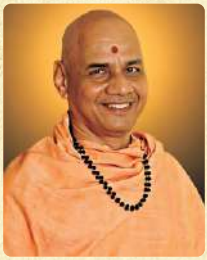

प. पू. स्वामी गोविंददेव गिरीजी महाराज
कोषाध्यक्ष: श्रीरामजन्मभूमी तीर्थक्षेत्र (न्यास), अयोध्या

मार्गदर्शक

डॉ. भाग्यलता पाटसकर

मार्गदर्शक

डॉ. विजय भटकर

सल्लागार समिती

डॉ. भरत बलवल्ली

डॉ. उलरिच बर्क (जर्मनी)

डॉ. चारुदत्तबुवा आफळे

विनोद कुमार (बंगलुरु)

लता नरसिंहमुर्ती (बंगलुरु)

डॉ. आनंद गायकवाड

निती देब (त्रिपुरा)

डॉ. माधुरी शरन (यु.एस.ए.)

प्रशांत दाणी (मुंबई)

डॉ. विद्याधर वैद्य (आनंद)

रश्मी नितिन वर्वे (कॅलिफोर्निया)

प्रा. क्षितिज पाटुकले

कार्यक्रम पत्रिका

अत्यग्निष्टोम महासोमयाग तेंडोली, 5 से 10 फरवरी 2024

प्रथम दिन 5 फरवरी	प्रधान संकल्प, गणपति पूजन, पुण्याहवाचन, मधुपर्क, मातृका पूजन, नांदीश्राद्ध, यज्ञशाळा प्रवेश , मंथन, सर्वप्रायश्चित्तार्थ कूष्मांडहोम, संभारयजुषाहोम, सोमपरीवेषण, सप्तहोतृहवन, दीक्षणीयेष्टि, प्राचीनवंशकरण, केशवपन, स्नानम्, पावमानीजप, दीक्षाविधि, व्रत, सनीहार.
द्वितीय दिन 6 फरवरी	सोमपरीवेषण, प्रायणीयेष्टि, सोमशोधन, सोमक्रय, राज्ञः हरणम्, आतिथ्येष्टि, व्रत, तानूनप्त्र, सोमाप्यायन, अवांतरदीक्षाग्रहण, प्रातः प्रवर्ग्यः, उपसदेष्टि, सोमाप्यायन, सुब्रम्हण्य आवाहन, सायं प्रवर्ग्य, उपसदेष्टि, सोमाप्यायन, सुब्रम्हण्य आवाहन, सायं व्रत
तृतीय दिन 7 फरवरी	प्रवर्ग्योपसद, सोमाप्यायन, सुब्रम्हण्योपाह्वान, वेदिकरण, उत्तरवेदिकरणम्, व्रत, यूपकरण, सायं प्रवर्ग्य, उपसदेष्टि, सोमाप्यायन, सुब्रम्हण्य आवाहन, सायं व्रत
चतुर्थ दिन 8 फरवरी	प्रातः प्रवर्ग्यः, उपसदेष्टि, सोमाप्यायन, सुब्रम्हण्य आवाहन, सायं प्रवर्ग्य, उपसदेष्टि, सोमाप्यायन, सुब्रम्हण्य आवाहन, प्रवर्गोद्वासन, अग्निप्रणयन, हविर्धाननिर्माण, हविर्धानप्रवर्तन, औदुंबरी संस्कार, सदो निर्माण, व्रत, अग्नीषोमीयप्रणयन, अवान्तरदीक्षाविसर्जन, अग्नीषोम याग, पितापुत्रीयांसुब्रम्हण्योपाह्वान, सुत्य, दोहन, सुब्रम्हण्य आवाहन
पंचम दिन 9 फरवरी	प्रातः सवन, सुब्रम्हण्य आवाहन, प्रातरनुवाक, बहिष्पवमान, सवनीययाग, सवनीय पुरोडाशा याग, द्विदेवत्यप्रचार, शुक्रामंथिग्रहप्रचार, ऋतुग्रहप्रचार, आज्यशस्त्र, वैश्वदेवस्तोत्रशस्त्र, सवनीय प्रायश्चित्त.माध्यंदिनसवन, शुक्रामंथिग्रहप्रचार, सवनीय पुरोडाशा याग, दक्षिणा दान, वैश्वकर्मणहोम, मरूत्वतीयग्रहप्रचार, माहेन्द्रग्रहग्रहण, स्तोत्र-शस्त्र, अतिग्राह्यहोम, सवनीय प्रायश्चित्त.तृतीयसवन, सवनीय मुख्यहवियाग, सवनीयपुरोडाश याग, पिंडदान, वैश्वदेवशस्त्र, यज्ञायज्ञियस्तोत्र, अग्निमारुतशस्त्र, षोडशीस्तोत्र, शास्त्र, वाजिनहोम, हारियोजनहोम, ऐष्टिक प्रायश्चित्त होम, समिष्टयजुष होम, सवनीय प्रायश्चित्त.
षष्ठ दिन 10 फरवरी	यज्ञ पुच्छ, अवभृतार्थ गमन,अवभृतेष्टि, उदयनीयेष्टि, मैत्रावरुणी आमिक्षायेष्टि, कर्मार्पण, मथन, उदवसानीय पूर्णाहुति ।

महासोमयाग यज्ञ प्रेरणा

श्री स्वामी समर्थ	श्री गजानन महाराज	भगवान परशुराम
	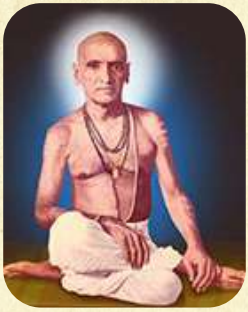	
महादेव (सखाहरी) आपटे	श्री गुळवणी महाराज	नाना काळे

यजमान परिचय

सोमयाजी सुहोता दीपक आपटे गोवा के नित्य अग्निहोत्र व्रत को चलानेवाले एक सन्माननीय ब्राम्हणदेवता हैं। उनके पिता सोमयाजी दीपक आपटे और दादाजी, सोमयाजी महादेव (सखा) आपटे त्रेताग्नि उपासक थे। दादाजी श्रीसखा दीक्षित आपटे ने सबसे पहले वर्ष 1963 में अक्कलकोट निवासी परम सद्गुरु श्रीगजानन महाराज के आदेश पर अखण्ड त्रेताग्नि अग्निहोत्र व्रत स्वीकार किया था। उन्होंने इस व्रत को 48 वर्षों तक श्रद्धापूर्वक निभाया। सुहोता आपटे ने 5 वर्षों तक गोवा के शंकर पाठशाला में वैदिक शिक्षा का अध्ययन किया। उसके बाद उन्होंने अपने दादा के साथ कृष्ण यजुर्वेद शाखा का अध्ययन किया। अपने दादा के साथ श्रौत (अग्निहोत्रादिक) का अध्ययन किया और वर्ष 2018 में उन्होंने अग्निहोत्र व्रत स्वीकार किया। वर्ष 2018 में उन्होंने अक्कलकोट में सोमयाग यज्ञ संपन्न किया और सोमयाजी बन गये। 2023 में, गोवा में सकाल मेडिया ग्रुप द्वारा सोमयाग का आयोजन किया गया था, जिसके यजमान सोमयाजी सुहोता आपटे थे। सोमयाजी सुहोता दीपक आपटे और अखंड सौभाग्यवती समृद्धि सुहोता दीक्षित आपटे दाम्पत्य अत्याग्निष्टोम सोमयाग के यजमान रहेंगे।

अत्यग्निष्टोम महासोमयाग यज्ञ स्थळी

यज्ञस्थली लोकेशन :

गुगल मॅप लोकेशन के लिए QR Code स्कॅन करें

नजदीक का एयरपोर्ट - मोपा गोवा (GOX) 63 किमी चिपी सिंधुदुर्ग (SDW) 17 किमी

नजदीक का रेल्वे स्टेशन - कुडाल स्टेशन (KUDL) (कोकण रेल्वे) 15 किमी

रास्ता मार्ग – नॅशनल हायवे 66 (NH 66) से कुडाल आयिए । 12 किमी पर यज्ञस्थळी है ।

भोजन व्यवस्था - दोपहर भंडारा - शाम प्रसाद भोजन व्यवस्था यज्ञस्थलपर उपलब्ध है।

सशुःल्क निवास व्यवस्था

1. सार्वजनिक समूह निवास व्यवस्था (Dormitory) - 6 दिन के लिए - ओपन हॉलमें - गद्दी चद्दर के साथ - 6 दिन के लिए - प्रति व्यक्ती रू. 1500/-

2. नॉन अॅटॅच जनरल रूम्स – रू. 1800/- 6 दिन के लिए - प्रति व्यक्ती – (एक रूम में 4 व्यक्ती)

3. अॅटॅच रूम – रू. 2400/- प्रति व्यक्ती - 6 दिन के लिए – (एक रूम में 4 व्यक्ती)

4. एसी रूम - रू. 5100/- 6 दिन के लिए - प्रति व्यक्ती – (एक रूम में 4 व्यक्ती)

5. यज्ञस्थळी के पास - खुले मैदान मंडप में - 6 दिन के लिए प्रति व्यक्ती रू. 1100/-

6. होटल व्यवस्था – कुडाल (12 किमी) वेंगुर्ला (15किमी) सावंतवाडी (35 किमी) इन शहरोंसे होटल लॉजिंग सुविधा उपलब्ध है। गुगलपर इनकी जानकारी उपलब्ध है ।

यज्ञ सेवा

सेवा	दान राशि रुपयोंमें
1) एक दिवसीय संपूर्ण यज्ञ सेवा	51,000/-
2) ब्रह्म भोजन	25,000/-
3) ब्रह्म दक्षिणा	51,000/-
4) यज्ञ साहित्य	51,000/-
5) यज्ञीयघृत, हविद्रव्य दान	21,000/-
6) अन्नदान	10,000/-
7) गोदान	51,000/-
8) गौमाता गोग्रास सेवा	10,000/-
9) सनीहर	11,000/-
10) कल्याणार्थी	2,100/-

सनीहर : महासोमयाग के अधिकृत प्रतिनिधि को सनीहर कहते हैं। सनीहर महासोमयाग समिति का सम्मानित सदस्य है और यज्ञ का फल उसे भी प्राप्त होता है। इस यज्ञ के लिए १०८ सनीहर व्यक्तियों का पंजीकरण कराने की योजना है। आप सनीहर बनिए और इस महासोमयाग में अपना योगदान दीजिए ऐसी प्रार्थना है। कृपया ऑनलाइन पंजीकरण करे।

कल्याणार्थी : अत्यग्निष्टोम महासोमयाग से आधिकाधिक व्यक्तियों को सर्व प्रकार लाभ मिलें और उनका प्रकार हर प्रकार से कल्याण हो इसलिए कल्याणार्थी सदस्य बनिए ऐसी प्रार्थना है। कृपया ऑनलाइन पंजीकरण करें।

यज्ञ सेवा : अन्नदान सेवा, ब्रह्म दक्षिणा सेवा, हविर्द्रव्य आहुती सेवा, यज्ञ साहित्य सेवा, गोसेवा, गोदान आदी

बैंक खाता की जानकारी :

Account Name : Bhishma Foundation for Bhartiya Knowledge System

Account Number: 60427202019 **IFSC Code :** MAHB0000003

Bank: Bank Of Maharashtra **Branch :** Deccan Gymkhana, Pune

भीष्म फॉऊंडेशन फॉर भारतीय नॉलेज सिस्टिम्स

१) भीष्म स्कूल ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टिम
२) भीष्म संस्कार
३) भीष्म यज्ञ
४) भीष्म मंत्रोपचार
५) भीष्म प्रकाशन
६) विश्व मंदिर परिषद
७) अंगकोरवाट भारत फाऊंडेशन
८) IACDSC फाऊंडेशन
९) विश्व भारतविद्या परिषद

Contact

BHISHMA SCHOOL OF BHARTIYA (INDIAN) KNOWLEDGE SYSTEM

c/o Bhishma Foundation For Bhartiya Knowledge System

namaste@bhishmaiks.org www.bhishmaiks.org

HO Pune: 622, Janaki Raghunath, Pulachi Wadi, Near Z Bridge, Deccan Gymkhana, Opp Ingale Girls Hostel, Pune 411004, Maharashtra, India.

Mobile: 8421951262 / 7875743405 | **WhatsApp:** 7875191270

USA Office: Bhishma School of Indian Knowledge System 10685, Grapnel Place, Cupertino, CA 95014 USA

USA Office Mo. / WhatsApp : Prof. Nitin Barve : +16503151128

fb.me/bhishmaiks twitter.com/bhishmaiks